चूहे बीमारियों को सूंघ लेते हैं

यह देखा गया है कि कुछ जंतु इन्सानों में बीमारी को सूंघ लेते हैं। मगर यह एक रहस्य ही था कि वे ऐसा कैसे कर पाते हैं। अब यह गुत्थी उपयोगी ढंग से सुलझती-सी लग रही है।

जीनेवा विश्वविद्यालय के ईवान रॉड्रिग्स और उनके सहयोगियों ने माइस (एक किस्म का चूहा) में एक ऐसे संवेदना ग्राही का पता लगाया है जो बैक्टीरिया व वायरस द्वारा निर्मित अणुओं को पहचानता है। इसके अलावा यह ग्राही बीमार लोगों के पेशाब में उत्सर्जित होने वाले उन रसायनों को भी पहचानता है जो सूजन होने पर बनते हैं।

रॉड्रिग्स के दल ने कुछ माइस के वोमेरो-नेज़ल अंग से कुछ ऊतक निकाले। वोमेरो-नेज़ल अंग फेरोमोन नामक रसायनों की संवेदना से युक्त अंग होता है। यह मनुष्यों में विकसित नहीं होता। जिन जंतुओं में यह विकसित होता है उनमें यह फेरोमोन की उपस्थिति को पहचानकर प्रजनन में मददगार पाया गया है। प्रयोगों के दौरान देखा गया कि इस अंग में मौजूद पांच संवेदना ग्राही ऐसे रसायनों से उत्तेजित हो जाते हैं। मतलब वे ऐसे रसायनों की उपस्थिति का संकेत दे सकते हैं।

रॉड्रिग्स का कहना है कि इस खोज का एक अच्छा उपयोग हो सकता है। इसके आधार पर एक कृत्रिम नाक बनाई जा सकती है जिसमें इन्सानों की बीमारियों को 'सूंघकर' पहचानने की क्षमता होगी। ***(स्रोत फीचर्स)***